nwda.gov.in

मॉनसून ओवर, 73% हिस्सों में सामान्य रही बारिश: IMD

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

दक्षिण पश्चिमी मॉनसून सीजन शनिवार को खत्म हो गया। इस बार मॉनसून सामान्य रहा है। एक जून से 29 सितंबर तक देश भर में 95.4 प्रतिशत बारिश हुई। 95 से 104 प्रतिशत बारिश को सामान्य माना जाता है। आईएमडी के अनुसार, पूरे मॉनसून सीजन में 868.6 एमएम के एवज में 820 एमएम बारिश हुई। वहीं क्लाइमेट ट्रेंड ने भी मॉनसून पर अपना आंकलन जारी किया है। इसके मुताबिक, इस बार का मॉनसून कई मामलों में चैलेंजिंग रहा। जलवायु परिवर्तन का असर भी इस पर दिखा। मॉनसून सीजन के दौरान देश के 73 प्रतिशत हिस्से में सामान्य, 18 प्रतिशत हिस्से में कम और 7 प्रतिशत हिस्से में अधिक बारिश हुई।

आईएमडी के अनुसार, इस बार जून में 91 प्रतिशत, जुलाई में 113 प्रतिशत, अगस्त में 64 प्रतिशत और सितंबर में 113 प्रतिशत बारिश हुई है। वहीं अगस्त के सभी हफ्तों और सितंबर के पहले हफ्ते में सबसे कम बारिश हुई। पूरे मॉनसून सीजन के दौरान 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश गुजरात के वेरावल में हुई।

File

पोस्ट मॉनसून सीजन में बारिश कम, तापमान अधिक

1 जून से 29 सितंबर तक देश भर में 95.4 प्रतिशत बारिश हुई

18 प्रतिशत हिस्से में ही कम बारिश हुई

हिमाचल में लैंडस्लाइड: वेस्ट राजस्थान में सामान्य से 42 प्रतिशत अधिक, सौराष्ट्र और कच्छ में 48 प्रतिशत अधिक, हिमाचल प्रदेश में 19 प्रतिशत अधिक और तेलंगाना में 15 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश में इस साल भारी बारिश की वजह से जुलाई में लैंडस्लाइड, फ्लैश फ्लड जैसी घटनाओं में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई। हरियाणा, पंजाब और दिल्ली में भारी बारिश की वजह से कई लोग अपना घर छोड़ने पर मजबूर हुए। आईएमडी के अनुसार, 40 सालों में नई दिल्ली में सबसे अधिक बारिश हुई।

क्या पड़ रहा है असर: पिछले पांच दशक में मॉनसून के दौरान बाढ़ की घटनाएं चार गुना बढ़ी हैं। 1970 से 2004 तक हर साल औसत तीन बाढ़ की घटनाएं होती थी। 2005 के बाद यह बढ़कर 11 हो गई हैं। अगस्त के दौरान मॉनसून ने तीसरा सबसे लंबा ब्रेक लिया। इससे पहले 2002 और 2009 के नाम यह रेकॉर्ड दर्ज है। अगस्त 2023 में मॉनसून ने दो बार ब्रेक लिया। पहला 7 अगस्त को शुरू हुआ और 18 अगस्त को खत्म हुआ। वहीं दूसरा 27 अगस्त को शुरू हुआ और सितंबर के पहले हफ्ते तक चला।

आगे कैसा रहेगा मौसम: आईएमडी के अनुसार, अब पोस्ट मॉनसून सीजन में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होगी। गर्मी भी सामान्य से अधिक रहेगी। पोस्ट मॉनसून सीजन अक्टूबर से दिसंबर तक माना जाता है। दक्षिणी प्रायद्वीप और नार्थ वेस्ट इंडिया में सामान्य या इससे अधिक बारिश हो सकती है। देश के अन्य हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होगी।

केरल में भारी बारिश, 13 जिलों में 'येलो अलर्ट'

■ **पीटीआई, तिरुवनंतपुरम:** केरल के कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिससे शनिवार को सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने कोट्टयम को छोड़कर राज्य के 13 से 14 जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी किया है। 'येलो अलर्ट' में छह से 11 सेंटीमीटर के बीच भारी बारिश की संभावना जताई गई है।